कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 6

लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट

भाग - 7

Satyaveer Yadav

1. बताएं कि आपातकाल के बारे में निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत :

(क) आपातकाल की घोषणा 25 जून 1975 में इंदिरा गांधी ने की।

(ख) आपातकाल में सभी मौलिक अधिकार निष्क्रिय हो गए।

(ग) बिगड़ती हुई आर्थिक स्थिति के मद्देनजर आपातकाल की घोषणा की गयी थी।

(घ) आपातकाल के दौरान विपक्ष के अनेक नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

(ङ) सी.पी.आई. ने आपातकाल की घोषणा का समर्थन किया।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा आपातकाल की घोषणा के संदर्भ में मेल नहीं खात है :

(क) 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान

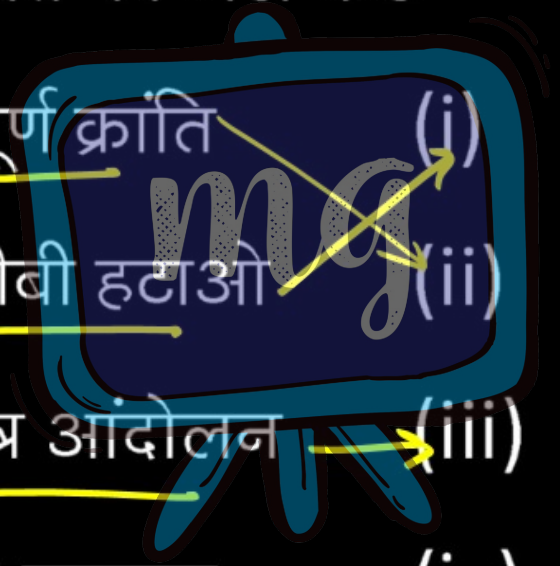
(ख) 1974 की रेल-हड़ताल

(ग) नक्सलवादी आंदोलन

(घ) इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला

(ड.) शाह आयोग की रिपोर्ट के निष्कर्ष

3. निम्नलिखित का मेल करें:



(क)	संपूर्ण क्रांति	(i)	इंदिरा गांधी
(ख)	गरीबी हटाओ	(ii)	जयप्रकाश नारायण
(ग)	छात्र आंदोलन	(iii)	बिहार आंदोलन
(घ)	रेल हड़ताल	(iv)	जॉर्ज फर्नांडिस

4. किन कारणों से 1980 में मध्यावधि चुनाव करवाने पड़े?

उत्तर :

- जनता पार्टी की सरकार में कोई तालमेल नहीं।
- प्रधानमंत्री पद के लिए होड़।
- मोरारजी देसाई के नेतृत्व में बनी सरकार 18 माह में अपना बहुमत खो बैठी।
- कांग्रेस पार्टी के समर्थन से चौधरी चरण सिंह की सरकार मात्र चार महीने ही सत्ता में रह पायी।

5. जनता पार्टी ने 1977 में शाह आयोग को नियुक्त किया था। इस आयोग की नियुक्ति क्यों की गई थी और इसके क्या निष्कर्ष थे?

उत्तर : मई 1977 में जनता पार्टी की सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश श्री जे.सी. शाह की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया।

उद्देश्य : '25 जून 1975' के दिन घोषित आपातकाल के दौरान की गयी कार्यवाही तथा सत्ता के दुरूपयोग अतिचार और कदाचार के विभिन्न आरोपों के विविध पहलुओं की जांच करना।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शाह आयोग के निष्कर्ष :-

- निवारक नजरबंदी कानून का दुरूपयोग आपातकाल के दौरान किया गया।
- इस कानून के तहत एक लाख ग्यारह हजार लोगों की गिरफ्तारी की गयी।
- बिना किसी कानून की स्वीकृति के अखबारों पर सेंसरशिप लगा दी गयी।
- यहां तक कि दिल्ली बिजली आपूर्ति निगम के महाप्रबंधक को दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर के दफ्तर से 26 जून 1975 की रात 2 बजे मौखिक आदेश मिला कि सभी अखबारों की बिजली आपूर्ति काट दी जाये।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. 1975 में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा [illegible] हुए सरकार ने इसके क्या कारण बताये थे?

उत्तर : सरकार के अपातकाल के पक्ष में तर्क :-

- शासक दल को अपनी नीतियों के अनुसार शासन नहीं चलाने दिया जा रहा था।
- बार-बार धरना प्रदर्शन और सामूहिक कार्यवाही लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं।
- सरकार पर निशाना साधने के लिए लगातार गैर-संसदीय राजनीति का सहारा लोकतंत्र में उचित नहीं।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इंदिरा गांधी ने शाह आयोग को चिटठी में लिखा कि ''विनाशकारी ताकतें सरकार'' के प्रगतिशील कार्यक्रमों में अड़ंगें डाल रही थी और मुझे गैर-संवैधानिक साधनों के बूते सत्ता से बेदखल करना चाहती थी।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. 1977 के चुनावों के बाद पहली दफा केन्द्र में विपक्षी दल की सरकार बनी। ऐसा किन कारणों से संभव हुआ?

उत्तर :

- देश का आर्थिक संकट।
- 1971 के समय किये गये वादों को निभाने में कांग्रेस पार्टी असफल।
- आवश्यक चीजों की कीमतों में वृद्धि।
- सभी विपक्षी दलों का एकजुट हो जनता पार्टी का निर्माण।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- आपातकाल से आहत जनता।
- संविधान को बदलने का प्रयास।
- मौलिक अधिकारों का हनन आदि।
- जनता पार्टी का 'लोकतंत्र बचाओ' का जोरदार नारा।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. हमारी राजव्यवस्था के निम्नलिखित पक्ष पर आपातकाल का क्या असर हुआ?

- नागरिक अधिकारों की दशा और नागरिकों पर इसका असर।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका के संबंध
- जनसंचार माध्यमों के कामकाज
- पुलिस और नौकरशाही की कार्रवाइयाँ

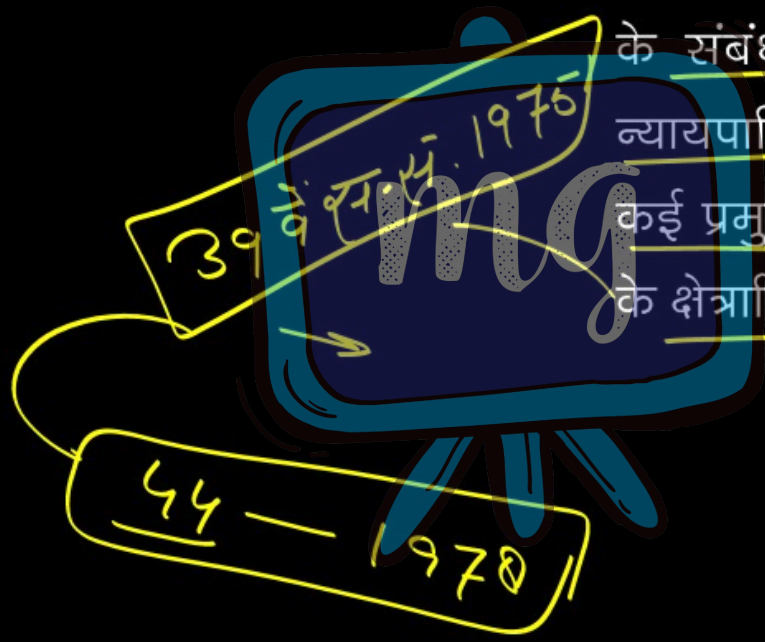
ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : (क) आपातकाल की घोषणा के साथ ही सभी मौलिक अधिकार स्थगित कर दिये गये।

- नागरिकों के विचारों की अभिव्यक्ति, घूमने-फिरने व सभाएं करने पर रोक लगा दी गयी।
- नागरिक अपने अधिकारों की मांग के लिए न्यायालय से भी सहायता प्राप्त नहीं कर सकते थे।
- नागरिक अपने जीवन और आजादी के अधिकार से भी वंचित हो गये थे।

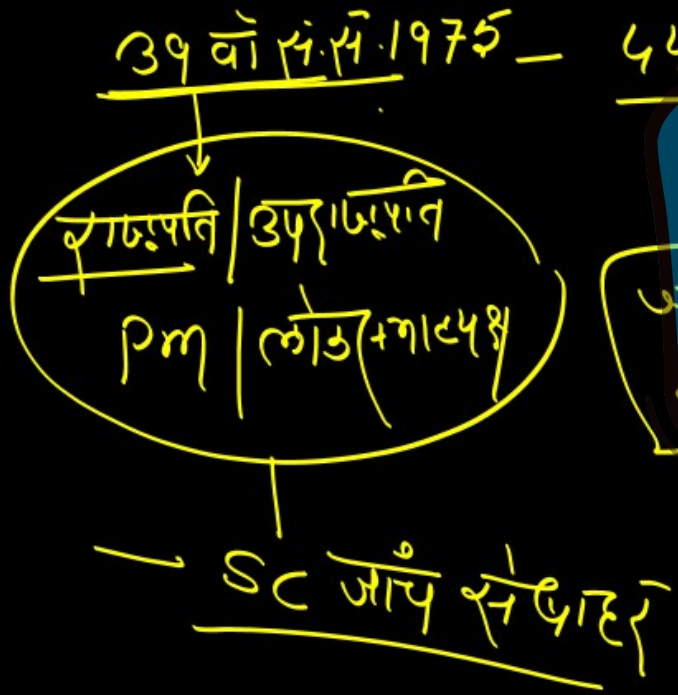
(ख) आपातकाल का न्यायपालिका व कार्यपालिका के संबंधों पर बुरा प्रभाव पड़ा, सरकार ने न्यायपालिका के क्षेत्राधिकार में कमी कर दी। कई प्रमुख पदों के चुनाव को सर्वोच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार से बाहर कर दिया गया।



(ग) सरकार ने प्रेस की आजादी पर रोक लगा दी। अखबारों की लाइट तक काटने के मौखिक आदेश दिये गये। जिन समाचारों को छापने से रोका जाता था उस जगह को अखबार में खाली छोड़ दिया जाता था। उस पर भी बाद में रोक लगा दी गयी। कई पत्र-पत्रिकाओं ने सेंसरशिप के आगे घुटने टेकने की जगह बंद होना मुनासिब समझा।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(घ) सरकार ने आपातकाल को लागू करने में पुलिस व नौकरशाही का पूरा सहयोग लिया। पुलिस हिरासत में निर्दोष लोगों को यातनाएं दी गयी, जिनसे कई लोगों की मृत्यु तक भी हो गयी। परिवार नियोजन की नीति को लागू करने के लिए जबरल लोगों की नसबंदी की गयी। गरीब इलाके के निवासियों को विस्थापिता होना पड़ा।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9. भारत की दलीय प्रणाली पर आपातकाल का किस तरह असर हुआ? अपने उत्तर की पुष्टि उदाहरणों से करें।

उत्तर :

- आपातकाल की स्थितियों के मध्यनजर सभी विपक्षी दलों ने एकजुट हो 'जनता पार्टी' का निर्माण किया।
- लोकसभा चुनावों में इस पार्टी ने जीत दर्ज की।
- ये साबित हुआ कि कांग्रेस पार्टी को हराया जा सकता है।

10. निम्नलिखित अवतरण को पढ़ें और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें :

1977 के चुनावों के दौरान भारतीय लोकतंत्र, दो-दलीय व्यवस्था के जितना नजदीक आ गया था उतना पहले कभी नहीं आया। बहरहाल अगले कुछ सालों में मामला पूरी तरह बदल गया। हारने के तुरंत बाद कांग्रेस दो टुकड़ों में बंट गयी..... जनता पार्टी में भी बड़ी अफरा तफरी मच गयी ..... डेविड बटलर, अशोक लाहिड़ी और प्रणव रॉय।

(क) किन वजहों से 1977 में भारत की राजनीति दो दलीय प्रणाली के सामने जान पड़ रही थी?

(ख) 1977 में दो से ज्यादा पार्टियों अस्तित्व में थीं। इसके बावजूद लेखकगण इस दौर के दो दलीय प्रणाली के नजदीक क्यों बता रहे हैं?

(ग) कांग्रेस और जनता पार्टी में किन कारणों से टूट पैदा हुई?

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

(क) 1977 के चुनावों के दौरान सभी विपक्षी दलों ने मिलकर एक दल 'जनता पार्टी' का निर्माण कर लिया था। अब चुनावों में टक्कर सीधे सीधे दो पार्टियों के मध्य थी- कांग्रेस तथा जनता पार्टी

(ख) 1977 में चुनावी प्रतियोगिता मुख्य रूप से दो दलों के मध्य ही थी - जनता पार्टी तथा कांग्रेस।

(ग) कांग्रेस में विभाजन 1969 में राष्ट्रपति के चुनाव के समय हुआ। विभाजन का कारण राजनीतिक निर्णयों में भूमिका रहा। इंदिरा गांधी व सिंडिकेट दोनों ही एक दूसरे से ज्यादा प्रभावशाली व ताकतवर बनना चाहते थे।

जनता पार्टी में आपसी कोई तालमेल नहीं था, इनका कोई साझा कार्यक्रम या योजना नहीं थी। ये तो केवल कांग्रेस का सामना करने के लिए एक हुए थे, चुनाव जीतते ही इस पार्टी के नेताओं में प्रधानमंत्री पद के लिए होड़ मच गयी थी।